17 आइए, सृजन करें

अभिनय 3 दृश्य 5 – एक दृश्य बनाएँ

0338CH17

गतिविधि 10 भूमिका निर्वहन

अहा! अंत में हमें बोलने का मौका मिल गया, अब हमारे पास आंगिक भाषा, भाव, सामग्री के उपयोग के साथ एक और जादुई उपकरण है– 'भाषा'। क्या आपके विचार से यह सरल होगा? यद्यपि ऐसा लगता है किंतु ऐसा नहीं है। आइए, आगे बढ़ें और एक दृश्य बनाएँ।

रचनात्मकता, कल्पना और संचार जैसी अवधारणाओं की मूलभूत समझ रंगमंच का आधार है। अब आप अभिनय के लिए तैयार हैं।

निर्देश— आप दो के समूह में काम करेंगे। शिक्षक आप में से प्रत्येक को पात्र और परिस्थितियाँ सौपेंगे। इसके आधार पर आप और आपके मित्र के बीच वार्तालाप होगा। आप रंगमंच में सहायक वस्तुओं (वास्तविक या काल्पनिक) का उपयोग भी कर सकते हैं। बातचीत तब तक जारी रखें जब तक शिक्षक आपको रूकने के लिए न कहें। क्या यह सरल है?

स्तर 1

पुलिस और चोर, रोगी और चिकित्सक, माँ को चॉकलेट खरीदने के पैसे देने के लिए मनाना, किसी मित्र को अंचभित करने के लिए जन्मदिन मनाने की योजना बनाना आदि।

स्तर 2

परिस्थिति आधारित अवधारणाएँ ईमानदारी, सम्मान, मदद करना, साझा करना आदि।

आप सीखेंगे

समन्वय, सामग्री का उपयोग, विश्वास, दृश्य परिस्थितियों का निर्माण, समूह कार्य आदि।

© NCERT not to be republished

चर्चा एवं प्रतिक्रिया

- क्या आपको दूसरे पात्र की तरह अभिनय करना पसंद आया?
- कौन-सी परिस्थिति में अभिनय करना कठिन था? और क्यों?
- क्या यह बोलकर करना सरल था या बिना बोले?
- आपने स्वयं के बारे में कौन-सी नई बात सीखी?

घेरा समय की टिप्पणियाँ

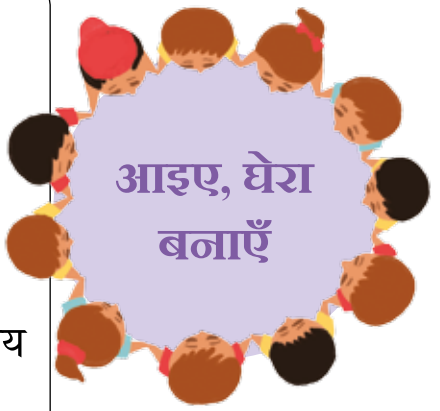

क्या भाषा के जादुई उपकरण ने इसे सरल बना दिया? या क्या आप आंगिक भाषा के बारे में सब भूल गए क्योंकि आपने केवल इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि आगे क्या कहना है? अपनी आंगिक भाषा, भाव और भाषा में समन्वय स्थापित करना, कार्य करने का सबसे अच्छा तरीका है। क्या ये सब बहुत अधिक है? चिंता न करें, अभ्यास से यह आसान हो जाएगा। प्रतिदिन अभ्यास करें, आप जब भी घर या विद्यालय में मित्रों से बातें करें तो अपनी आंगिक भाषा और हाव-भाव पर ध्यान दें। दूसरों का भी अवलोकन करें।

© NCERT not to be republished

दृश्य 6 – अभिनय के माध्यम से कहानी

पहले के दृश्य में केवल दो कलाकार थे। अब हम और जोड़ रहे हैं! यद्यपि आप व्यक्तिगत रूप से जो करते हैं उसका आंगिक संचलन, अभिव्यक्ति और भाषा समान होते हैं लेकिन यहाँ प्रक्रिया पूरी तरह से अलग है। क्या समूह में काम करने से दृश्य बेहतर हो जाता है या इससे अधिक समस्या होती है? बिल्कुल नहीं। जितने अधिक लोग उतना अच्छा दृश्य!

गतिविधि 11 सामूहिक भूमिका निर्वहन

कक्षा को 5 या 6 के समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक समूह को एक सरल कहानी मिलती है। बच्चे तैयारी करते हैं, अभ्यास करते हैं और प्रदर्शन करते हैं!

स्तर 1

अन्य पाठ्यपुस्तकों के अलग-अलग पाठों से परिचित कहानियाँ ली जा सकती हैं। उदाहरण के लिए भाषा की पुस्तकें, इतिहास की पुस्तकें आदि।

स्तर 2

विषयवस्तु पौराणिक कथाओं, तेनालीराम, पंचतंत्र आदि से ली जा सकती हैं। उदाहरण के लिए चतुर कौआ, एकलव्य, प्रशिक्षण के समय अर्जुन का ध्यान, श्रवण कुमार, शिव और पार्वती के प्रति गणेश की भक्ति इत्यादि।

© NCERT not to be republished

चर्चा एवं प्रतिक्रिया

- आपको गतिविधि के किस भाग में सबसे अधिक आनंद आया? और क्यों?
- हमारी पौराणिक कथाओं की कितनी कहानियाँ आप पहले से जानते थे?
- अन्य कौन-सी कहानियाँ हैं जिन पर आप अभिनय करना चाहेंगे?
- आपने अपने बारे में कौन-सी नई बात सीखी?

घेरा समय की टिप्पणियाँ

क्या एक समूह में कार्य करना और अकेले काम करना आपकी सोच और प्रक्रिया के मामले में बहुत अलग नहीं है? जब आप किसी समूह में कार्य करते हैं तो आप विभिन्न प्रकार के कौशल सीखते हैं। आप यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रदर्शन में सभी को समान अवसर मिले। प्रत्येक के विचारों और सुझावों पर विचार किया जाना चाहिए और इन पर विचार करते हुए आप यह निर्णय कैसे ले पाते हैं कि आप क्या प्रदर्शन करेंगे? इसे ही हम समूह में कार्य करना कहते हैं।

आगे चलकर आप समूह में बहुत सारी गतिविधियाँ करेंगे, क्योंकि नाटक, समूह में कार्य करने की एक प्रक्रिया है। मेरे पास आपके अनुकरण करने के लिए एक सरल सुझाव है, जिससे आपका समूह और अधिक सक्षम बनेगा। दूसरों की कमियाँ ढूँढ़ने के स्थान पर सदैव अपने समूह में योगदान देने के बारे में सोचें। यदि समूह में प्रत्येक व्यक्ति इसका पालन करेगा तो आपका समूह सर्वश्रेष्ठ होगा।

© NCERT not to be republished